# Shatruanjay kumar

# Divyani

Model: web-freematching

Order No: 108417130

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग : | लिंग | : स्त्रीलिंग |
| 9-10/12/1994 : | जन्म तिथि | : 18/10/1997 |
| शुक्र-शनिवार : | दिन | : शनिवार |
| घंटे 03:35:00 : | जन्म समय | : 08:47:00 घंटे |
| घटी 52:17:20 : | जन्म समय(घटी) | : 06:35:59 घटी |
| India : | देश | : India |
| Jabalpur : | स्थान | : Jamshedpur |
| 23:10:06 उत्तर : | अक्षांश | : 22:48:16 उत्तर |
| 79:56:01 पूर्व : | रेखांश | : 86:12:10 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व : | मध्य रेखांश | : 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:10:16 : | स्थानिक संस्कार | : 00:14:49 घंटे |
| घंटे 00:00:00 : | ग्रीष्म संस्कार | : 00:00:00 घंटे |
| 06:40:03 : | सूर्योदय | : 05:43:14 |
| 17:25:13 : | सूर्यास्त | : 17:17:20 |
| 23:47:22 : | चित्रपक्षीय अयनांश | : 23:49:29 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| गुरु 10वर्ष 10मा 4दि | 12:12:56 | तुला | लग्न | वृश्चि | 10:54:40 | सूर्य 5वर्ष 3मा 6दि |
| बुध | 23:49:20 | वृश्चि | सूर्य | तुला | 00:57:27 | राहु |
| 13/10/2024 | 24:17:45 | कुंभ | चंद्र | मेष | 28:17:44 | 24/01/2020 |
| 14/10/2041 | 05:34:57 | सिंह | मंगल | वृश्चि | 19:50:57 | 23/01/2038 |
| बुध 12/03/2027 | 21:29:01 | वृश्चि | बुध | तुला | 03:54:42 | राहु 06/10/2022 |
| केतु 08/03/2028 | 06:18:42 | वृश्चि | गुरु | मक | 18:25:52 | गुरु 01/03/2025 |
| शुक्र 07/01/2031 | 13:26:03 | तुला | शुक्र | वृश्चि | 16:58:47 | शनि 06/01/2028 |
| सूर्य 14/11/2031 | 12:41:49 | कुंभ | शनि व | मीन | 22:27:30 | बुध 25/07/2030 |
| चन्द्र 14/04/2033 | 20:32:33 | तुला व | राहु व | सिंह | 25:27:32 | केतु 13/08/2031 |
| मंगल 11/04/2034 | 20:32:33 | मेष व | केतु व | कुंभ | 25:27:32 | शुक्र 12/08/2034 |
| राहु 29/10/2036 | 00:29:03 | मक | हर्ष | मक | 10:55:03 | सूर्य 07/07/2035 |
| गुरु 04/02/2039 | 27:59:59 | धनु | नेप | मक | 03:22:41 | चन्द्र 05/01/2037 |
| शनि 14/10/2041 | 04:56:44 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 10:08:42 | मंगल 23/01/2038 |

**लग्न-चलित**

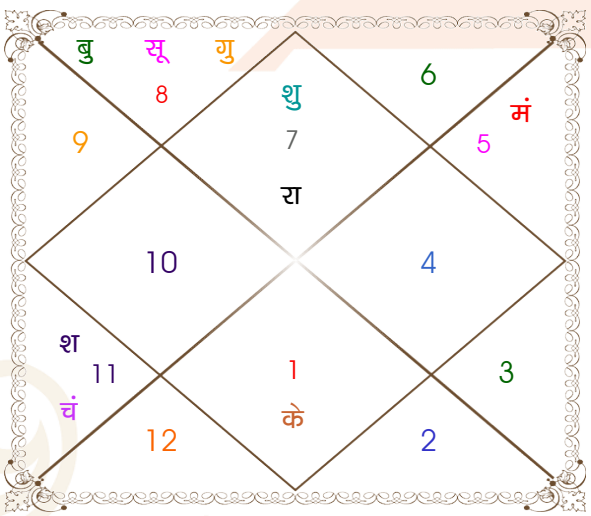


**लग्न-चलित**

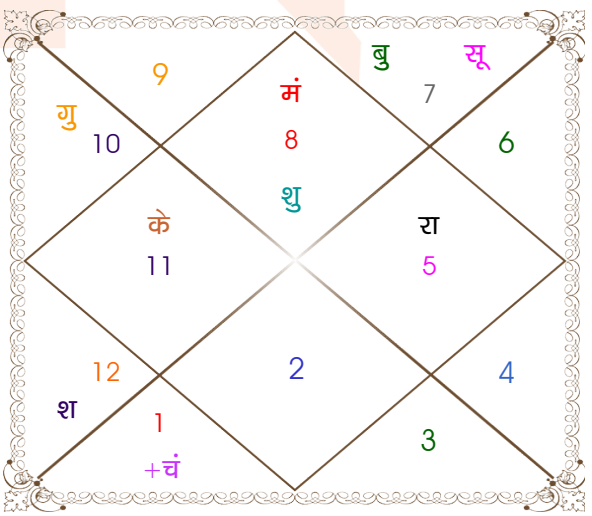

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | शूद्र | क्षत्रिय | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | प्रत्यारि | साधक | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | सिंह | मेष | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शनि | मंगल | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | राक्षस | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | कुम्भ | मेष | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | आद्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 19.00 | | |

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Shatruanjay kumar का वर्ग मेष है तथा Divyani का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shatruanjay kumar और Divyani का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

Shatruanjay kumar मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Divyani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Divyani कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।**
**तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Shatruanjay kumar कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shatruanjay kumar कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Shatruanjay kumar तथा Divyani में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।